# शोधयात्रा खंड-१

(आंतर विद्याशाखीय शोध निबंध संग्रह)

संपादक
प्रा. प्रकाश हनवते

# SHODH-YATRA KHAND -9

Editor

Prakash Hanwate

# शोध - यात्रा खंड - ९

संपादक

प्रकाश हनवते

---

© संपादक

प्रकाश हनवते

* प्रथम आवृत्ती : ६ डिसेंबर २०१७

* प्रकाशक :

पवन प्रकाशन, तारांगण, डॉ हेडगेवार मार्ग, बीट नं. ९,
परतानी हॉस्पिटल समोर, न्यु डॉक्टर लेन परभणी-४३१४०१
भ्र ध्वणी. ९४२२१७९४६१

pavanprakashan@gmail.com

* मुद्रक:

एक्सेल प्रिंटर्स, पुणे

* अक्षर जुळवणी :

मुकुंद मधुकरराव पत्की,
पत्की झेरॉक्स ॲण्ड कॉम्प्युटर,
भाजी मंडी रोड, जिंतूर-४३१५०९
मो.०९९८११०२७९०

* मूल्य: २००/-

* ISBN No: 978-93-86894-11-3

---

शोध-यात्रा या संपादित ग्रंथांतील सर्व लेखन, मते आणि अभिप्राय संबंधित लेखकांची असून त्या संबंधी संपादक, मंडळ, प्रकाशन, मुद्रक व वितरक सहमत असतीलच असे नाही.

अनुक्रमणिका


१. बेबी आणि बेबीची बहिण-

संतोषी दुबे ..........

२. महाडाचा सत्याग्रह : मानव मुक्तिचा संग्राम -

प्रा. सचिन शंकर ओवाळ.....

३. फोंडाघाडातील उपेक्षित गडदुर्ग शिवगड एक दृष्टीक्षेप -

प्रा. डी.बी. ताडेराव ..........

४. डॉ. प्रभाकर देव यांचे इतिहास लेखनातील योगदान -

प्रा. डॉ. यु.एस. सावंत

५. महिला प्रवेश बंदी : वास्तव आणि वाटचाल -

प्रा.पे.के. ससाणे ..........

६. सावित्री : अंतर्मनाचे दर्शन घडविणारी कादंबरी -

प्रा. डॉ. उज्वला सामंत.......

७. रियासतकार गोविंद सखाराम सरदेसाई -

प्रा.डॉ. माधुरी राजाराम खोत..

८. सिंधुदुर्ग जिल्ह्यातील मत्स्यव्यवसाय -

प्रा. सतीश परशुराम तेरसे

९. संशोधक मार्गदर्शक प्राचार्य डॉ. बी.एस. लेंगळे -

प्रा.डॉ. उत्तम हनवते..........

१०. डॉ. आप्पासाहेब पवार यांचे शिवकालीन इतिहासातील योगदान-

प्रा.डॉ. नंदिनी रणखांबे ..........

११. इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडयांचे विचारधन -

प्रा.डॉ. सर्जेराव भामरे ..........

१२. डि.डि. कोसंबी यांच्या मार्क्सवादी नवसंकल्पनात्मक, आकृतीबंध इतिहासलेखन पध्दतीचे एक विश्लेषण -

प्रा. प्रफुल्ल एम. राखुरवाडे....

१३. २१ वे शतक आणि मराठी कविता -

प्रा.डॉ. विलास पाटील ..........

१४ दिशा संशोधनाची -

प्रा.डॉ. उत्तम हनवते .....

१५ दत्त पारसनीस आणि त्यांचे इतिहास लेखन -

श्री मुलमकर संजयकुमार देविदास .....

१६ दामोदर कोसंबी यांचे मार्क्सवादी इतिहास लेखन -

प्रा.डॉ शिवराम डी शिंदे .....

१७ डॉ बाबासाहेब आंबेडकर यांची इतिहास लेखन -

प्रा दशरथ किसन रसाळ .....

१८ मराठ्यांच्या इतिहासाचे मिमांसक : सेतू माधवराव पगडी -

प्रा.डॉ सुरवसे नितेश प्रेमनाथ .....

१९ कथाकार संजीव -

प्रा रायबोले संतोष रघुनाथराव .....

२० बे-इज्जत किसान की दर्दनाक कहानी : छावनी -

प्रा डॉ एकनाथ पाटील .....

२१ सुफीयों का विभिन्न साहित्य -

प्रा नाईक नारायण ज्ञानोबा .....

२२ हिंदी सिनेमा के आरंभिक दिन एवं विकास -

प्रा डॉ आर डी बदने .....

२३ उपेक्षितोंकी वाणी : उपन्यासकार संजीव -

प्रा प्रशांत ढेपे .....

24. A Study of Anna Bhau Sathe's story 'Gold form the Grave' -

Prof. Santosh M. Akhade .....

25. "Challenges In Higher Education in India" -

Prof. Dr. D.V.Hargile .....

# २१. हिंदी सिनेमा के आरंभिक दिन एवं विकास

प्रा. डॉ. आर.डी. वदने,
ग्रामीण महाविद्यालय, वसंतनगर (कोटग्वाळ)
ता. मुखेड जि. नांदेड

प्रस्तावना :-

भारत स्वतंत्र होने के पूर्व से ही हिंदी सिनेमा की आरंभिक नींव पड चूकी थी | सन १८८६ को हरिश्चंद्र सखाराम भटवलकर ने लंदन से पहला मूवी कैमेरा मगवाया था | उन्होंने ही प्रथम देसी फिल्म बनाई थी | इस फिल्म में कुश्ती तथा बंदर को प्रशिक्षित करते हुए एक व्यक्ति का छायांकन किया गया था | उसके उपरान्त मनेत टी. सठेना, के प्रयास से सन १९०४ में 'लाईफ ऑफ क्रास्त' इस नाम का पहिला सिनेमा पोजेक्टर से दिखाया गया था | कलकत्ता में भी १९०७ के दौरान पहिला सिनेमा घर बनवाया गया था | जिसका नाम 'एलफिंटन पिक्चर पॅलेस' यह था | यह सिनेमा घर जे.एस. मदान उन्होंने बनवाया था |

दादासहाब फालके उन्होंने इसी दौरान 'राजा हरिश्चंद्र' नामक फिल्म बनाई थी | इस फिल्म का प्रदर्शन ३ मई १९१३ में किया था | इस समय को सभी फिल्मे यह ब्लॅक ॲन्ड व्हाईट बनने लगी थी | आगे रंगिन फिल्मे भी अनेक वर्षो बाद बनाई जाने लगी| इस तरह से धिरे-धिरे हिंदी सिनेमा का विकास आगे होने लगा जिसे हम संक्षिप्त रुप से ओर भी जान सकते है |

१) बॉम्बे टॉकिज का योगदान :-

सन १९४३ के दौरान अँग्रेजो के खिलाफ आजादी का सपना देखने वाली भारतीय जनता स्वतंत्रता संग्राम में जब ज्यूंज रही थी तभी बम्बई के रॉक्सी सिनेमा घर में 'किस्मत' नामक फिल्म का प्रदर्शन हुआ | इस फिल्म के नायक अशोक कुमार थे तो नायिका मूमताज शांति थी | यह फिल्म बॉम्बे टॉकिज द्वारा बनाई गई थी | इस फिल्म में एक गाना फर्माया गया था, जिसके बोल थे दूर हटो, दुर हटो, ऐ दुनियावाले, हिन्दूस्ता हमारा है | इस गाने के कारण सिनेमा के दर्शक तो बहोत प्रभावित हुए अपितू अँग्रेजी सरकार क्रोधित हुई तभी बॉम्बे टॉकिज के शशधर मुखर्जी ने यह गाना जर्मन और जापनियों के खिलाफ होने की बात कही न कि अँग्रेजोंके खिलाफ | मूखर्जी की यह होशियारी काम आयी और बॉम्बे टॉकिज बंद होते-होते बच गई | इसके बाद बॉम्बे

संपूर्ण नाव : प्रा. प्रकाश उत्तम हनवते

जन्म : २८ ऑगस्ट १९८६
जिंतूर, जि. परभणी.

शिक्षण : एम.ए. (इंग्रजी), बी.एड्.,सेट

संपादित ग्रंथ : १. शोधयात्रा – २०१३
२. इतिहासकार डॉ.बी.आर. आंबेडकर – २०१४
३. शोधयात्रा खंड – ०६
४. शोधयात्रा खंड – ०७
५. शोधयात्रा खंड – ०८
६. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर
काल, आज आणि उद्या
७. शोधयात्रा खंड – ०९

विविध परिषदांतील सहभाग : आंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय आणि राज्यस्तरीय
परिषदांमधून सहभाग व शोधनिबंध वाचन

पत्रव्यवहाराचा पत्ता : समता नगर, खैरी प्लॉट,
जिंतूर, जि. परभणी ४३१५०९

संपर्क : ०९५०३४३०६९३



पवन प्रकाशन, परभणी

ISBN : 978-93-86894-11-3